

१९५८ सालको

## नेवारजातका लागि सामाजिक सुधारको इस्तिहार

### इस्तिहार

उप्रान्त तिमि नेवार जातका छोटाबडाले जात अनुसार वेवहार गर्दा थोरै खर्च गरि कर्म चलाउन हुन्या मा ज्यादा भडक गरि वेवहार गर्दा गरिब मानिस्ले सो भडक थामि वेवहार चलाउन नसकि रिणमा फस्याको बुझिनाले तिनसहर टोलटोल का ठुलाठुला मानिस हरु झिकि बुझि बक्सदा पनि ज्यादा भडक बढाइ वेवहार गरेका छन् यस्मा कर्मसम्म चलने हिसाबसँग घटाइबक्से हुँछ भनि सबै जनाले सहि छाप स्मेत् गरि दियाका हुनाले अवउप्रान्त अधिदेखि गरि आयाको कर्मपनि नछुट्न्या गरिब हरुले पनि थोरैखर्चले कर्म चलाउन सकुन भन्याअर्थले तपसीलमा गर्नुपर्न्या काम र तेस्मा खर्चगर्न्या अँजाम स्मेत लेखि इस्तीहार छपि बाँडिबक्सेको छ छोटाबडा कसैले तपसील मा लेखियाभँदा बढता लिनुदिनु ल्याउनु लैजानु नगर्नु बढता लगे ल्यायाको कुरा पुलिस बा अरुकसैले जाहेर गर्न आयो र सोकुरा पक्काठहन्यो भन्या लिनेदिने दुबैलाई हुकुम मिचन्या को अँन वमोजिम सजाय हुन्याछ सो बुझि लेखिया बमोजिम वेवहार चलाउन्या काम गर ---

### तपसिल

बालख जन्मन्या मैन्हा पुग्दा माइतिले दहिच्युरा ख्वाउनजाने अवजानुपर्देन-

----- १

|   |   |
|---|---|
| पैल्हाबालख जन्मदा लोग्ने का घरवाट सिन्दुर सुपारी हरु अधि चलिआया<br>वमोजिम को राखि माइति घरमा पठाइदिनु-----  | २ |
| माइति ले सुत्केरीलाई ध्यू च्यूरा खुवाउन जानु पर्देन -----   | ३ |
| छैटि कर्म गर्दा साविक बमोजं कर्म चलाइ फुपुलाई कपडा को चोलो १<br>नुत्कुरुवा १ सिसुँपालु मात्र दिनु -----     | ४ |
| बलख को नुवारान गर्दा माइति घरवाट तपसिल वमोजिं मात्र पठाउनु<br>भोजको सराजम् स्मेत अरुकेहि पठाउन पर्देन ----- | ५ |
| बालख लाई -----  |   |
| मिमिचालँ -----  | १ |
| सुनको औंठि -----  | १ |
| चादिको औंठि -----   | १ |
| तोरिभरेको तकिया -----   | १ |
| डसना -----  | १ |
| सिरक -----  | १ |
| मचाकठि (बच्चा सुताउँदा छोप्रे प्रयोजनार्थ ठडयाइने तीन वटा काठ)-   | १ |
| सुकुल -----   | १ |
| आमालाई सकन्याले तेललाउदा लाउन्या लुगा जोर -----   | १ |
| जुँवाइलाइ पछ्यौरा -----   | १ |

च्युरा पाथि ----- २

दहिकहतरा ----- १

चावल माना ----- २

वालख को मुख हेर्न जाँदा मा माइति घर को मुख्य मालिक लोग्ने मानिस एक जना ले मात्रजानु बालखलाई मोरु ॥० सम्म चढाउनु अरु दाज्यूभाइ इष्टमित्र ना ता कुटुंब कोहि नलैजानु जुवाँइका घरबाट पनि ति १ जना लाई मात्र नुनमाना १॥ दिनु ----- ६

स्वास्त्रिमानिसले मुख हेर्न अगंचा विचार (सानो औंठी) जाँदा पनि माइतिघर १ ले मात्र तललेखिया वमोजिँ का सराजम् लैजानू भोजको सराजम् स्मेत अरु केहि नलैजानू अरुनाताकुटुम्ब कसैलाइ लैजानु पर्देन जुवाइका घरबाट पनि तिनका साथआयाका १/२ जना साथि र भरिवोकन्या १ जनालाइ मात्र भोज खुवाइ मुख्य चाहि १ जना लाइ मात्र नून माना १॥ दिनु भरिया लगायत अरु लाइ केहि दिनु पर्देन---७

दहि कहतरा ----- १

सुनको औंठि ----- १

ध्युपाउ ----- ॥

मासुसेर -----१

दछिनामोरु ----- ॥

लुगाटुक्रा ----- १

|  |   |
|--|---|
| चाँदिको औंठि -----   | १ |
| चाकुपाउ -----  | ॥ |
| अदुवा जुवानू २ पैसा -----  |   |
| चावलकूरुवा -----   | १ |
| बालकलाइ पाश्र्निगर्दा -----  |   |
| पुजासराजम् साविक वमोजिं पठाऊनू -----   |   |
| मावलि मुख्यघर वाट माललैजाने -----  |   |
| च्यूरा पाथि -----  | २ |
| दहिकहतारा -----  | १ |
| पुजाभाग -----  | १ |
| हाँस कुखुरा कोफुल ८ सम्म को सगुन -----   |   |
| बालखलाइ साटनूसम्मको लवेदा -----  | १ |
| आमालाइ गउन्कोफरिया रंगितचोलो -----   |   |
| नैनसुत्कोपछ्यौरा -----   |   |
| गहना हालनू पर्देन -----  |   |
| दुवैतर्फ का निम्ता वालानाताकूटुम्ब छोरिबेटि गैहले च्यूरा दहि कपडा<br>सगुनलैजानूपर्देन चुल्हैनिमता ले मोरु देखि ॥० सम्म ध्यू चिनि मिलाइ<br>वालख लाइ मुखमा छुवाइदिनू ----- | ८ |

बालख को पैल्हाजन्मोत्सव मा मावलि घरवाट केहि पठाऊनु पर्दैन -- ९

चूडाकर्म ब्रतबन्ध बुढापाश्रि मा मावलि मूलघर वाट माथि लेखिया  
वमोजिम पूजाभाग १ र च्यूरा पाथि २ दहि १ लुगाजोर १ सगुन सम्म  
लैजानु अरु नाता कुटुम्ब चुल्हैनिम्ता ले च्यूरा दहि वस्त्र नलैजानु हाँस  
कुखुरा को फुल ६ सम्म को सगुन लैजानु ----- १०

छोरि बेटि वान्हा (गुफा राख्दा) तय गर्दा दुलाह को घर वसे माइति  
घर वाट माइति का घर वसे दुलहा काघरले गर्ने ----- ११

को चिकं सायके (तेल लगाउने) गर्न पठाऊनु पर्दैन जुन्घरमा वस्यो  
सोहि घरले कर्मचलाऊनु -----

गुफापश्रे र सँग बस्ने हरु लाइ छुस्या मुस्या (भुटेको मकै भटमास आदि)  
माना ४ च्यूरा माना ४ दहि कहतारा १ लगि खुवाउनु अरु केहि लैजानु  
पर्दैन -----

गुफावाट निकालने दिन तल लेखिया बमोजिं पठाउनु -----

वाहांछुयगर्नाके (गुफावाट निकाल्दा) सरुवा चावल पाथि ----- २

सगुनसिन्दुर हालनेसराजाम् स्मेत पुजा भाग ----- १

च्यूरा पाथि ----- २

दहि कहतारा ----- १

केटिलाइ छिट्गउन सम्मको फरिया पनेला सम्म को चोलो नैनशुतको  
पछ्यौरा -----

केटिलाइ लुगाहालनु र अरुनाता कुटुम्ब इष्टमित्र कसैले पनिवाहाँछुय गर्न  
छुस्यामुस्या खुवाउन पठाउन पर्दैन -----

**विवाहको काममा गर्ने**

पैल्हे सुपारि लिदा दिदा सुपारि गोटा १० को मुठि १ मात्र लिनु दिनु  
रूपैया राषनु र अरु जात जात को फलफुल हरु पठाउन पर्दैन --- १२

लखा दिदा लखामढि ३/४ सेरको पठाउने गरेमा अवरोटि १ को सेर १  
मा नबढेको अधि जति जति थान लिने दिने गरेकोछ उतिउति थानर  
केरा काँग्यो १ खावामाना ४ माछापाउ २ दहि कहतरा १ मात्र २/३  
जना भरियालाइ बोकाइ पठाउनु अरुकेहि राखनुपर्दैन ----- १३

सिसावुसा (भोजपछि खुवाउने फलफुल केराउ नून आदि) खुवाउन  
पठाउन पर्दैन ----- १४

लखामा रोटीनलि रूपैया लिया मोरु १० दिखि वढता नलिनु ---- १५

कल्यें न्हाकेगर्न (कल्ली लगाउने) पठाउदा सगुन को कोत पुजा भाग १  
कलंजोर १ वाँपालु थाल १ दहि कहतरा १ थान १ मा पाउ ॥ सम्म  
को कलेरोटि थान २४ कोकसि १ मात्र पठाउनु अरु खाने सरजाम  
फलफुल केहि पठाउन पर्दैन ----- १६

**जतंजानेदिन दुलाहाका घरलेगर्नेकाम ----- १७**

डुधंकेगर्न (दुलही राखदा छोप्रे कपडा) पठाउँदा सराजाम् र मानिस  
साविक वमोजिं पठाउनु -----

जन्तिज्मा गर्नेठाउमा झार फानस् देवालगिरि ग्वास्वत्ति विजुलिवत्ति  
हरुनवालनु -----

आतस्वाजि भैचँपा अनार्दाना गोवारा चन्द्र जोति हरुनउडाउनु नाचन  
लैजानु -----

जंतिमानिस लैजादा नलगिनहुन्या नातादार वाहेक अरु ४०/५० जना  
सम्म लैजानु भडक गरि बढता नलैजानु -----

डुकोमिसा (दुलहीको साथी) लाइलाउन दिने -----

गउन सम्मको फरिया -----

रंगित को चोलो -----

तेस्मा सुहाउन्या पटुका पछ्यौरा -----

गहना लाउन नदिनु -----

आफुले लगेका जंतिलाइ औकाद माफिक पान मसला खानदिनु -----

बत्तिमा जमात हेरि मुनासिव माफिक मुस्याल चिराक मैनवत्ति गरि  
२०/२५ सम्म बाल्नु -----

जंति आउदा दुलहिका घरवाट गर्ने -----

जंतराखने ठाउँमा भडकगरि मुनासिव माफिक विछयाउना लगाउनु झार  
फानस दुवालगिरि ग्वासवत्ति विजुलिवत्ति हरु नवालनु -----

आतसवाजि भैचम्पा गोवारा चन्द्रजोति हरु नउडाउनु -----

पानस् खाडलु सुकुँडा मैनवत्त हरुवाली राखनु आयाका जतिलाइ  
औकातमाफिक पानमस्ला तमाखु खान दिनु -----

साविक वमोजिँ दुधंके गर्न आउने जंतिलाइ भोज खुवाउनु तिनि हरुलाइ  
वयदां १/१ पैसा मात्रदिनु फमोजभनी दिनपर्देन -----

छोरी वेटि को साथ मा सामेलु २ जना सम्म पठाऊनु -----

छोरीवेटिका साथ वाजा थपि पठाऊन पर्देन दुलाहा तर्फवाट जोकोत  
(पित्तलको ठूलो गहिरो थाली) सुकुँडा मुस्याल सगुन्को पुजा बोकि आउने  
हरुलाइ पालो फेरि अर्काले बोकाइ पठाऊनु पर्देन उनैलाइ बोकाइ पठाउनु  
-----

छोरीवेटि लाइ दियाको माल बोकाइ पठाऊने संदुसवोकने जना ----- २

पेटारा वोकने जना ----- १

चर्खा वैटा धनु प्यूरिवट्टा सुकुल हरु वोकने ----- १

चौपाया समाऊने वस्तु हेरि चाहिदो -----

चर्खा वैटा धनु हरु धातुको वनाइ नराखनु निमतामा आयाका ले दाइजो  
दिदा दिने चुल्है निम्ताले मोरु ॥ जोइ पोइ आऊनेले पैरु १ यकलो  
आऊनेले पैरु दिनु -----

भाडावर्तन चौपाया दीनेले दिनुहुन्छ -----

कन्या दान दिने छोरि लाइ लाऊन दिने कीन्खाप सम्मको चोलो -----

तास्कीन्खाप वाहेकक्को फरिया -----



दोपट्टा सम्मको खाष्टो -----

चुदरि रंगितको पटुका -----

वढता लाऊन नदिनु -----

**दुलही घर ल्यायापछि दुलाहा का घरवाट गर्ने ----- १९**

दुलहीको दाइजो वोकि ली आऊने जति मानिस लाइ भोज खुवाइ वैदाम  
२/२ पैसा सम्म दिनु तेस्देखि वढता र फमोज दिनु पर्देननदिनु -----

आफुले निमतो गरेका लाइ भोज खुवाइ ४/५ तोला सम्म को रोटि १/१  
र मुखसुद्धी मोसिपो (मसला पोक) दिपठाऊनु -----

समिलु लाइ दुलहि लिलाधु (दुलन फिर्ता) नलगेसम्म पालि लैजानेदिन  
छीट गवन को चोलो १/१ दिपठाऊनु -----

निम्ता मा आऊने आफ्ना पट्टिका मावलि हरु र छोरि वेटिले मात्र  
ल्याऊने धौ (दही) सगुन पूजा भाग ----- १

दहि कहतारा ----- १

पछ्यौरा ----- १

तेसदेखि वढता र अरु इष्टमित्र चुल्है निम्ता गरेपनि केहि लैजानु पर्देन -

**सप्याके (कपाल कोर्न चाहिने सामान) गर्न पठाऊदा सकनेले छीटगवन**  
सम्मको फरिया राखि १ जोर लुगा पूजाको श्राजम् साविक वमोजिम  
पठाऊनु खानेकुरा केहि पठाऊनु पर्देन ----- २०

|  |    |
|--|----|
| ४ दिनभित्र फलफुल मसला हरु दि हेर्न पठाऊनु र विचाकु (मुख हेन जाँदा लाने मिठाई) पठाउनुपर्देन ----- | २१ |
| ख्वासोय (मुख हेर्ने) गर्नजादा गर्ने -----  | २२ |
| लैजाने सराजाम् -----   |    |
| १/१ सेरसम्म को लखामहि थान् -----   |    |
| उखु १०/१२ लाक्राको बिटा -----  | १  |
| फलफुल थाल -----  | ४  |
| मसला किस्ति -----  | १  |
| जात जात को रोटि थाल -----  | ४  |
| पानथलिया -----   | १  |
| दहिकहतारा -----  | १  |
| लुगादिन सकनेले -----   |    |
| पाट् सम्मको चोली -----   | १  |
| गवन सम्मको फरिया -----   | १  |
| नकलि ढाका को खाष्टो -----  | १  |
| चुदरि रंगित को पटुका -----   | १  |
| मानिस जादा आफ्ना जाहान सम्म जतिजम्मा हुन्छ ऊतिलि जानू -----                                      |    |

सो माल वोकना लाइ ३ जना सम्म लैजानु. ख्वासोय गर्न जाने ले मोरु  
२ देखि आनासम्म नजिक टाढा को नाता र पच्छे हेरि दिनु -----

लेखियाभन्दा बढिनगर्नु -----

ख्वासोय गर्न आउने जतिलाई गच्छे अनुसार पान मसाला खुवाउनु -----२३

छोरि बेटि हरु विवाह गरि दिसकेपछि ४ दिनभित्र माइति घर वाट  
स्वास्त्री मानिस हरुले विचार गर्न जाने निस्तार गन्याका मानिस हरुलाई  
थयवो (थालमा सजाइएको सगुनसहितको भोज समान) भन्या दिने  
फमोज भनि दिने चलाइ आयाका ले अव उप्रान्त सो काम वंदगरि  
वक्स्याको छ जान दिनु पर्दैन ----- २४

अघिदेखि दुलहि डोलामा हालि लिने दिने गरिन आयका जातले अव  
उप्रान्त डोलिमा राखन पाउदैन अघि चलि आया वमोजिम हिडाइ लैजानु  
----- २५

अघिदेखि गुजराति वाजा रोसन् वाजा नलगेका जातले सो पनि अव  
लैजानु पर्दैन ----- २६

भारिबोकी आउने र दुलहि लीन आउने डोले समिलु लाई भोजखुवाई  
पठाउनु ----- २७

बुहारी लिलाधू पठाउदा बुहारी लाई दिने ----- २८

पाट् संम को चोला ----- १

गउन संम को फरीया ----- १

|  |    |
|--|----|
| रङ्गीत चुदरी को पटुका -----  | १  |
| नकली ढाका संम को खाष्टो -----  | १  |
| जुवाई दुचायके (ज्वाइँ भित्र्याउने) गर्दा भोज खाइ सकेपछी दिने -   | २९ |
| जुवाई लाई दिने -----   |    |
| नैनसुत संम को पछ्यौरा -----  | १  |
| २ पाउ संम को रोटी -----  | १  |
| मसाला पोको -----   | १  |
| पान -----  |    |
| साथ मा आउने लाइ मसला को पोका पान -----   |    |
| विवाह गरी दी सकेका छोरी बेटी लाई बखत् बखत् को फलफूल चीज<br>बीज खुवाउन पठाउनु पर्दैन -----  | ३० |
| केटी को कुरा छिनी सुपारी दी सकेको विवाह नहुदै तिहार विच मा<br>पर्दा केटा का घर बाट केटीलाइ ह्म पुजा गर्न पठाउने अब पठाउनु पर्दैन<br>-----          | ३१ |
| तिहार मा भाई पुजा गर्न लाई पैल्हा मा समेत मोहरु २ सम्म को सगुन<br>को सराजाम् तैयार गरि ली जानु ताहादेखी वर्ता भोज को सरजाम्<br>समेत न पठाउनु ----- | ३२ |
| मार्ग शुदी १५ रोज मा जुवाई लाई लीकु भन्ने (सगुन फलफूल सहितको<br>भारी) पठाउनु पर्दैन ----   | ३३ |

तिहारमा दुलही का माइती बाट जवाइ लाई ह्म पुजा गर्न पठाउने पनि पठाउनु पर्दैन -----३४

छोरी बेटीको पैल्हा देवालि पुजा मा र दिक्षा मन्त्र सुन्दा पुजा को सराजाम् भाग १ बोका १ समय लाइ (पूजा सकिएपछि पहिले खाने माछ्हा, अदुवा, लसुन, अण्डा र मासु आदि) च्यूरा माना ४ स्यावजी (भुटेको च्यूरा) माना ४ तेस लाई सुहाउदो समय को सराजाम मात्र पठाउनु भोज को सराजाम् लुगा उठाउनु पर्दैन ----- ३५

देश पर्देश गै आउने लाई कसैले पनि मुगी रह्र वी हेर्न जानू पर्दैन ---  
----- ३६

गोकर्ण औंसी मातातिर्थ औंसीमा आमा बाबुलाइ खुवाउने गरि आयाको हो ता पनि सो दिन पितृ औंसी हुनाले मरेका आमा बाबु का नाममा मात्र पिण्ड दिने सिदा उठाइ गाइ ब्राह्मण लाई खुवाउनु पर्ने मा ज्यूंदो आमा बाबु लाई पितृ तुल्य गरि खुवाइ आयाका हुनाले सो दिन आमा बाबु लाइ घरमा केहि लागि खुवाउन ठिक होइन गोकर्ण, गयाजि, मातातिर्थ मा काशी तुल्य समझी बाबु आमा लाई सोही ठाम ठाम मा लागि उनका हात वाट पिण्ड दान गराइ आफ्ना हातले पकाइ केहि खान दिन मनसुवा गछ्छौं भने तेसो गरि खुवाउनु ----- ३७

तिर्थ पुगि आउदा गर्ने ----- ३८

तिर्थपुगि आउनेले जलर प्रशाद मात्र वाडनु कपडा टिका अैना वट्टा केहि राख्नु पर्दैन तिर्थवासि लिन जादा वाजा वजाइ हुंडर गरि लिन नजानु

१०/१५ जना सम्म मानिस खालि पानमसला सुपारिमात्र लिंगै संगलिआउनु तिर्थ पुगि आउने लाइ कसैलेपनि मुगि रहर हरु लि हेर्न जानु पर्दैन -----

तिर्थ भोज मा निमता गरेका नाता कुटुम्ब लगायत कसैले पनि सगुन वाहेक अरु केहि लि जानुपर्दैन --

घर देवालय पाटि पौवा सतल केहि वनाउदा कसैले पनि पान मसला र अरु खाने सराजाम् स्मेत केही लगी खुवाउनु पर्दैन ----- ३९

गुठि पुजा व्रत उत्सव यज्ञ हरु गर्दा निमता मा जानेले महितोपे (रोटी छोप्रे) भन्त्या र सगुन वाहेक अरु केहि लै जानु पर्दैन -- ४०

छोरि बेटि सुवर्ण कुमार सँग विवाहगर्दा अरु साविक छोरि को धनिले जो गर्नु पर्ने कर्म चलाउनु नाता कुटुम्ब अरु कसैले वाह्रांछुय गर्नु पर्दैन - ----- ४१

मानिस मर्दा गन्या काम ----- ४२

मुर्दा उठाउने वेलालाइ छोरिवेति सासु ससुरा हरुले मात्र छर्ने धान पैगा कठाल वाजा कसाँइवाजा पठाउने साविक वमोजिम सकने ले मात्र पठाउनु -----

स्वास्ति मानिस विचार (साथमा लिइजाने रोटी फलफूल आदि) जाँदा वाहिरदेखि रोइ नजानु तेसँगै विचार गरी आउनु -----

विचार पठाउन्या मा अंत विचा महि विचार भन्ने कसैले पठाउनु पर्दैन -

आफ्ना छोरि बेटी माइती मावली ले मात्र तल लेखिया वमोजिम को  
विचार पठाउनु अरु टाढा का नाता इष्ट मित्र कसैले केहि पठाउनु पर्देन-

च्यूरा पाथी -----१

दहि कहतारा -----१

ध्यू पैरु -----

अदुवा पैरु ----- 51

धासा (भोजलाई चाहिने अचार तरकारीका सामान)

थोक ----- ४

रोटिको थाल ----- १

सखर पैरु -----

श्राद्ध गर्दा चुल्हैनिमती गन्या मध्ये छोरिवेति माइति मावलि ले मात्र  
पिण्डमा चढाऊने सराजाम् साविक वमोजिम पठाऊनु चुल्हैनिमता गरेपनि  
अरु कसैले पनि पठाउनु पर्देन -----४३

वर्षि फुकाउदा मर्नेका छोरिवेति र माइति मावलि ले मात्र तल लेखिया  
वमोजिम को सराजाम् लागि को चिकं साइके गर्नु तेस्मा -----

वढाइ नलैजानु माथि लेखिया को नाता वाहेक अरुले पठाऊन पर्देन  
नपठाऊनु ----- ४४

वुकुवा र तेल चाहिदो -----

च्यूरा पाथि ----- १

दाग वत्ति गर्ने लाई मात्र जो सकेको लुगा दहि कहतारा --- १

तेस्च्यूरा लाइ चाहिदो खाने सराजाम् -----

यस वेवहारमा निमतो गरेका मानिस लाइ भोजनखुवाइ भोजका पैसा  
वांडेपनि हुन्छ भोज वाडदा चुल्है निम्ता का घरमा जति जनाछ ऊति  
जनालाई जोइपोइ निम्तामा ४ जना येकलै मा १ जना लाइ जनहि पैसा  
१६ गंडि । का दरले दिनु तेस्मा बढता नदिनु ----- ४५

यो माथि लेखियाका कर्मकांड देखि बढता अधिदेखि गरि आयाको  
नगरिनहुने कर्म छुटेको रहेछ भने माथिलेखियाके हिसाव संग नभै नहुने  
खर्च गरि कर्म चलाऊनु ----- ४६

यो वेहोरा गर्दा साविकमा घटिगरि आयाका ले सोहि माफिक घटाइ गर्नु  
वढि गरि आयाकाले यस्मा नवढाइ वेवहार गर्नु नसकने ले आफनु गक्षे  
अनुसार कर्म मात्र चलाऊनु नगरि आयाकाले गर्नु पर्दैन - ४७

ईति सम्बत् १९५८ साल मिति ----- सदि -----

----- रोज शुभम्

अधि छापीवाडीया काथितिका ईस्तिहार बमोजिम गरेपनि हुँन्छ यति  
कुराथपनुपर्छ भनी बढापाका मानीस हरूले भनेको हुनाले तपसिलमा  
लेषीया वमोजीम् औकात दर्जा पुगकामा नश्लवडाई वेवहार गर्नु पनीहुन्छ  
बढाउना लाई करपनी लाग्दैन.



## तपसील

बालषकोमुखहेर्न लोग्रे मानिस जानेमा

यकै भान्साको जतीजना गयेपनी हुँन्छ जानेमध्ये पैसा दक्षीणाचढाउने लाई  
तिन् चौथाई मोहर दक्षीणा चढाउने लाई १॥ माना नुन् दीनु हुँन्छ ---

बालषको मुखहेर्न स्वास्नी मानीस जानेमा

अरु वेहोरा सदर च्यूरापाथी १ पनी राषनु -----

बालषको पाल्नीमा

आमा लाई लुगादीने मा पनेला कस्मीरा सम्मको चोलो हालनु

विवाहको पल्है सुपारी दीदा. -----

दहीकहतारा १ केरा कांजीयो १ फलफुल थाल १ पनी राषनुहुँन्छ

वरीयाद जानेमा

नाता दारवाहेक औकात गछेहेरी १०० जनासम्म लैजानु हुँन्छ -----

वरीयाद राषने ठाउमा

झारपानस देवाल गीरी ग्यासवत्ति विजुली वत्ति वाहेक अरु मट्टि तेल  
वालने लालटेन् लम्प ईत्यादी वाले पनीहुँन्छ -----

दाईजो वोकाई पठाउने मा

वजन हेरी चाहीदो भरीया पठाउनु भारी नपुन्याइ वढता नपठाउनु  
विवाहमा चुल्है निमतो गर्दाअघी सगुण स्मेत् नलैजानेले च्यूरा पाथी १

सानु महिकसी १ मात्र लैजानु सगुण स्मेत् लैजानेले पूजाभाग १  
दहिकहतरा १ पछ्यौरा १ सम्म थपि मावली घर आफ्नु मुख्यछोरी  
वेटीले मात्र लैजानु अरु लैजानु पर्देन -----

### मुषहेर्न जादा

लुगादिदा आफ्नु गच्छेहेरी शकनीवानकली ढाका सम्मको पछया- रादीनु  
अरुकुरा सवैसदर मानीस लैजादा नजीक का नाता दारवाहेक अर ईष्टमीत्र  
नलैजानु -----

### बुहारी लिलाधु पठाउदा लुगा दीनेमा

आफ्नु गच्छेहेरी अधि लेषीयावमोजीम् दीयापनी हुँछकिनिषाप सम्मकोचोलो  
सकलि ढाकाको षाष्टा फारासी सम्मको फरीया दीये पनीहुँछ -----

### गुठीपूजा उत्सवमा

मन्ही तोषेभन्या पनी पठाउनु पर्देन -----

साभार: कानून सम्बन्धी केही ऐतिहासिक अभिलेखहरु

कानून सहप्रकाशन, कानून व्यवसायी क्लब, काठमाडौं

प्रथम संस्करण, २०६३